K

(Printed Pages 4)

17/11

B.A. (Part-I) Examination, 2017

SANSKRIT

First Paper

(संस्कृतकाव्यं काव्यशास्त्रञ्च)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

निर्देश : **सभी** खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-अ

(अति लघूत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस प्रश्न के **सभी** भागों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 50 शब्दों में लिखिये। 2×10=20

1. (i) पार्वती का नाम 'अपर्णा' क्यों पड़ा?

   (ii) "शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्"- इस सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।

   (iii) 'न ययौ न तस्थौ' की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये।

   (iv) शिशुपाल वध महाकाव्य के नायक का परिचय दीजिये।

   (v) नारद के आगमन पर श्रीकृष्ण ने उनका किस प्रकार सत्कार किया?

https://www.vbspustudy.com

   (vi) 'श्रेयसि केन तृप्यते'- इस सूक्ति की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये।

   (vii) किरातार्जुनीय महाकाव्य के द्वितीय सर्ग में भीम ने द्रौपदी की प्रशंसा में क्या कहा?

   (viii) युधिष्ठिर ने भीम के वचनों की प्रशंसा कैसे की?

   (ix) शब्द के त्रिविध अर्थ और उनका बोध कराने वाली शक्तियाँ कौन हैं?

   (x) संकेतित अर्थ कितने प्रकार का होता है?

खण्ड-ब

(व्याख्या एवं लघूत्तरीय प्रश्न)

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिये। 10×5=50

2. अधोलिखित श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये-

   इयेष सा कर्तुमवन्ध्यरूपतां
   समाधिमास्थाय तपोभिरात्मनः।
   अवाप्यते वा कथमन्यथा द्वयं
   तथाविधं प्रेम पतिश्च तादृशः।।

अथवा

   पुनर्ग्रहीतुं नियमस्थया तया द्वयेऽपि निक्षेप इवार्पितं द्वयम्।
   लतासु तन्वीषु विलासचेष्टितं विलोलदृष्टं हरिणाङ्गनासु।।

https://www.vbspustudy.com

3. अधोलिखितस्य श्लोकस्य संस्कृत व्याख्या विधेया-

विषमोऽपि विगाह्यते नटः कृततीर्थः पयसामिवाशयः।
स तु तत्र विशेषदुर्लभः सदुपन्यस्यति कृत्यवर्त्म यः।।

अथवा

किमपेक्ष्य फलं पयोधरान् ध्वनतः प्रार्थयते मृगाधिपः।
प्रकृतिः खलु सा महीयसः सहते नान्यसमुन्नतिं यथा।।

4. अधोलिखित श्लोक का भावार्थ लिखिये-

गतं तिरश्चीनमनूरुसारथेः
प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुजः।
पतत्यधो धाम विसारि सर्वतः
किमेतदित्याकुलमीक्षितं जनैः।।

अथवा

हरत्यघं सम्प्रति हेतुरेष्यतः शुभस्य पूर्वाचरितैः कृतं शुभैः।
शरीरभाजां भवदीयदर्शनं व्यनक्ति कालत्रितयेऽपि योग्यताम् ।।

5. काव्य के प्रयोजनों का निरूपण कीजिये।

अथवा

व्याख्या कीजिये- https://www.vbspustudy.com

वाक्यं स्याद्योग्यताकांक्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः।।

6. साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य के स्वरूप का विमर्श कीजिये।

अथवा

व्याख्या कीजिये-

मुख्यार्थबाधे तद्युक्तो ययाऽन्योऽर्थः प्रतीयते।

रूढेः प्रयोजनाद्वाऽसौ लक्षणा शक्तिरर्पिता।।

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नांकित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिये।

15×2=30

7. कुमारसंभव महाकाव्य के पञ्चम सर्ग में वर्णित शिवपार्वती-संवाद का सार लिखिये।

8. कुमारसंभव महाकाव्य से उपयुक्त उदाहरण देते हुए 'उपमा कालिदासस्य' पर निबन्ध लिखिये।

9. शिशुपाल वध महाकाव्य के प्रथम सर्ग की कथा का सार लिखिये।

10. किरातार्जुनीय महाकाव्य के द्वितीय सर्ग में वर्णित भीम-युधिष्ठिर-संवाद का विवेचन कीजिये।

11. लक्षणा के भेदों का सोदाहरण निरूपण कीजिये।

https://www.vbspustudy.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.vbspustudy.com